तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
1 सन् 2001	दोपहर 2 बजे भुसावल	ब्राह्मण (इसके लिए पू. गुरुदेव कानमुनिजी म.सा. घुमे थे)	1. मुँहपत्ति लगी हो। 2. द्वार पर खड़ा हो। 3. पधारो कहे। 4. तीन वंदना करे। 5. सफेद वस्तु की भावना भावे।
2 सन् 2003	– मनावर	श्री रमेशचन्द्रजी खटोड़ (समाज रत्न)	1. किचन में सभी को मुंहपत्ति लगी हो।
3 सन् 2003	– मनावर	श्री रमेशचन्द्रजी खटोड़ (समाज रत्न)	1. तीन तपस्या वाले भावना भावें। (इस दिन यहाँ दो मासखमण थे)
4 सन् 2003	– मनावर	श्री प्रकाशचन्द्रजी कांकरेचा	1. केशरिया या पीले वस्त्र वाले। 2. मुंहपत्ति बांधकर भावना भावे।
5 सन् 2003	– मनावर	श्री सौभागमल ओरा	1. रोते-रोते भावना भावे।
6 सन् 2003	– मनावर	स्थानक में (राजकुमारजी जैन द्वारा)	1. नगर पालिका अध्यक्ष भावना भावें।
7 सन् 2003	– मनावर	श्री मोहनलाल अग्रवाल	1. दही की भावना भावे।
8 सन् 2003	– मनावर	श्री राहुल प्रकाश खटोड़	1. पताशे की भावना

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
9 सन् 2003	– मनावर	श्री इन्दरमल कांकरेचा	1. घर में जितने हो, दिख रहे हो, सभी को मुंहपत्ति हों।
10 सन् 2003	– मनावर	श्री समीरमल काकरेचा श्री सुनिल सीमा काकरेचा	1. 11 उपवास वाले 3 व्यक्ति में से 1 बैठा हो 2 खड़े हों।
11 सन् 2003	– मनावर	श्री अशोक काकरेचा सौ. मंजु काकरेचा	1. 1 पैर पर खड़े होकर भावना भावें।
12 सन् 2003	– मनावर	श्री भंवरसिंहजी कीमती	1. एक मुंहपत्ति हाथ में। 2. एक बंधी हो। 3. एक नीचे जमीन पर हो।
13 सन् 2003	– मनावर	श्री प्रवीण रमेशचन्द्र खटोड़ (कालू) सुशील, राजेश, अंतिम, पिंटू	11 जने मुंहपत्ति बांध कर पारणे की विनंती करें।
14 सन् 2003	– मनावर	सीमा फुलेरा, पिंकी वर्षा सुबाहू सुदर्शन फूलेरा	1. किसी के घर जाने पर छींक आ जावे।
15 सन् 2003	– मनावर	श्री राहुल खटोड़	1. मुंहपत्ति हों। 2. द्वार पर खड़ा हो। 3. पधारो कहे। 4. वंदना करे। 5. सर्वप्रथम सफेद वस्तु बहरावें।
16 सन् 2003	– मनावर	स्थानक में	1. अट्ठाई वाले जोड़े से कहें। 2. चौविहार अट्ठाईवाला कहें। 3. बाहर गाव वाले जोड़े से। 4. उपवास वाली बच्ची कहे। 5. दादा पोता कहे। 6. कोई मांगलिक सुनने का कहे। 7. कोई मुझे कुछ सुनावें। 8. कोई अजैन भावना भावें। 9. प्रेम मुनिजी विनंती करें। 10. उपवास वाला बच्चा कहे। 11.कोई मेरे से कुछ पच्चक्खाण लें।

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
17 सन् 2006	– बड़वाह	श्री दिलीप भंडारी	1. कुत्ता। 2. बिल्ली 3. चूहा एक के ऊपर एक हो।
18 सन् 2006	– सनावद	श्री शर्मा	1. बंदर खोपरा बहरावें।
19 सन् 2008	– कुशलगढ़	श्री संजय धीरज नाहटा	1. एक ही नाम के 2 जोड़े। 2. 1–गांव का, 1–बाहर गांव का। 3. हाथ में चावल लेकर भावना भावे तो चावल खाना। 28.4.2005 को लिया येवला में 5.10.2008 को फला कुशलगढ़ में साढ़े तीन वर्ष बाद । संजय अलका नाहटा, कुशलगढ़ संजय, अलका बोहरा, थांदला द्वारा फला।
20 18 दिसम्बर 2005	नवकारसी बड़नगर	श्री तोलारामजी तेरापंथी (53 घर घूमने के बाद फला)	1. मुँह पर उत्तरासंग हो। 2. केशर की भावना भावें।
21 21 दिसम्बर 2005	नवकारसी उज्जैन	श्री शालभद्र चपलोत	1. मुँहपत्ति हो। 2. नमो अरिहंताणं कहें। (गीतार्थ पू. गुरुदेव पारसमुनिजी द्वारा पच्चक्खाण)
22 24 दिसम्बर 2005	12 बजे सांवेर	–	1.मुँह पर उत्तरासंग हो। 2. घी की भावना भावें।

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
23 28 दिसम्बर 2005	नवकारसी इन्दौर	श्री सुनिल छिंगावत	1. मुँहपत्ति वाले 3 सदस्य बहराने की भावना भावें।
24 31 दिसम्बर 2005	महेश नगर इन्दौर	श्री अतुल संतोष नाहर (महेश नगर)	1. मुँहपत्ति हो। 2. सफेद वस्त्र हो। 3. सफेद वस्तु भावना भावे। (पू.श्री पंकजमुनिजी द्वारा पच्चक्खाण)
25 3 जनवरी 2006	– करही	श्री लोकेन्द्र छाजेड़	1. मुंहपत्ति हो। 2. किसी को गोद में लेकर भावना भावें।
26 6 जनवरी 2006	– बड़वाह	श्री राजेन्द्र डाकोलिया	1. सफेद वस्त्र हों। 2. चश्मा हों। 3. अचित्त पानी की भावना भावे।
27 9 जनवरी 2006	– सनावद	श्री समरथमल कवाड़	1. तीन सदस्य सफेद वस्त्र में हों 2. मुँहपत्ति लगी हो, 3. तेल की भावना भावें।
28 12 जनवरी 2006	– सनावद	श्री माणकचंद गोलेछा	1. मुंहपत्ति हो। 2. पीले वस्त्र हों। 3. दही की भावना भावें।
29 15 जनवरी 2006	– दौड़वा	श्री कृष्णजी लाड़	1. नीले वस्त्र हों। 2. शक्कर की भावना भावें।
30 18 जनवरी 2006	9 बजे लगभग बमनाला	श्री गुप्ताजी	1. सपरिवार उत्तरासंग लगाकर दूध की भावना भावें।

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
31 21 जनवरी 2006	**11.30 बजे** **खरगोन**	श्री ताराचन्द्र नाहर	1. किसी के घर जाने पर किसी को छींक आवे।
32 24 जनवरी 2006	**नवकारसी** **खरगोन**	श्री ललित खींवसरा	1. मुँहपत्ति वाला उमेश गुरु का नाम कहे।
33 27 जनवरी 2006	**नवकारसी** **सेंधवा**	श्री प्रेमचन्द सुराना प्रकाश, दिलीप सुराना	1.सफेद वस्त्र,2.सभी के मुंह पर मुंहपत्ति, 3.एक के पीले वस्त्र हों, 4.गोद में कोई हो. 5.पीली वस्तु की भावना भावें।
34 30 जनवरी 2006	**नवकारसी** **सेंधवा**	श्री प्रेमचन्द सुराना	1. मुंहपत्ति हो। 2. सफेद वस्त्र हों। 3. सफेद वस्तु की भावना भावे।
35 2 फरवरी 2006	**नवकारसी** **शिरपुर**	श्री ताराचंद डागा	1. मुंहपत्ति हो। 2. सफेद वस्त्र हो। 3. सामायिक में हो। 4. सफेद वस्तु की भावना भावें।
36 5 फरवरी 2006	**नवकारसी** **मांडल**	श्री विजयजी खींवसरा	1. सभी को मुंहपत्ति हो। 2. किसी को पीले वस्त्र हों। 3. तीन पीढ़ी हो। 4. अचित्त पानी की भावना भावें।
37 8 फरवरी 2006	**नवकारसी** **शिरूड़**	श्री अशोक अलीझाड़	1. किसी को रोना आ जावे।
38 11 फरवरी 2006	**नवकारसी** **शिरूड़**	श्री राजेन्द्र ओरा	1. सभी को मुंहपत्ति हो। 2. एक सफेद वस्त्र में। 3. एक लाल वस्त्र में 4. पति-पत्नी का जोड़ा हो। 5. एक व्यक्ति 1 पैर पर खड़ा होकर घी की भावना भावे।

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
39 14 फरवरी 2006	**नवकारसी** **शिरूड़**	श्री सुरेश ललवानी	1.सभी को मुंहपत्ति हो। 2.एक हाथ में पेन हो। 3.मांगलिक सुनावें। 4.नमो अरिहंताणं बोले। 5. छाछ की भावना 6. 1 सदस्य बैठ जावें। 7. तीन पीढ़ी हो।
40 17 फरवरी 2006	**2 बजे** **येवला**	श्री विजय श्रीश्रीमाल	1. मुंहपत्ति हो। 2. पति-पत्नी जोड़े से केशर की भावना भावें।
41 20 फरवरी 2006	**नवकारसी** **नांदगांव**	श्री दिलीप पारख	1. सामायिक में हो। 2. एक के सफेद वस्त्र हो। 3. तीन को मुंहपत्ति हो। 4. एक के चश्मा हो। 5. दूध की भावना भावें।
42 23 फरवरी 2006	**नवकारसी** **कोपरगांव**	श्री किशोर बंब	1. दो मुंहपत्ति वाले हो। 2. एक के हाथ में माला हो। 3. सफेद वस्तु की भावना भावे।
43 26 फरवरी 2006	**नवकारसी** **कोपरगांव**	श्री देवीचंद बंब	मुंहपत्ति वाले 5 हो। उनमें से 3 के सफेद वस्त्र हो।
44 29 फरवरी 2006	**7.40 बजे** **कोपरगांव**	स्थानक	विशेष संकल्प - आचार्य भगवंत हाथ में पुस्तक लेकर खड़े-खड़े, स्वाध्याय करते दिख जावें तो पारणा करना लगभग 7 बजकर 40 मिनिट पर योग जम गया।
45 4 मई 2006	**नवकारसी** **40 गाँव**	-	कोई गुड़ की भावना भावें। 5 घर से ज्यादा नहीं जाऊँगा। 3 रे घर में फला
46 7 मई 2006	**नवकारसी** **नागद**	श्री योगेश वेदमुथा	1. जोड़ा हो। 2. 11 को मुंहपत्ति हो। 3. बच्चा बहराने की भावना भावें।

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
47 10 मई 2006	नवकारसी शेंदूर्णी	श्री मिश्रीमल ओस्तवाल	1. सफेद वस्त्र हों। 2. मुंहपत्ति हों। 3. सफेद वस्तु की भावना भावें। (उप प्रवर्तक पू.श्री गुलाबमुनिजी म.सा. द्वारा पच्चक्खाण)
48 13 मई 2006	नवकारसी बामरूड़	–	1. जोड़ा हो। 2. मुंहपत्ति लगी हो। 3. दही की भावना भावे।
49 16 मई 2006	11 बजे अमलनेर	रश्मि द्वारा	1. आधी रोटी की भावना भावे।
50 19 मई 2006	नवकारसी एल्दा	श्री नेमीचंद सांड	1. मुंहपत्ति हो। 2. पीले वस्त्र हों। 3. तीन पीढ़ी हो। 4. पीली वस्तु की भावना भावे।
51 22 मई 2006	नवकारसी मांजरोद	श्री विजय साबद्रा	1. मुंहपत्ति हो। 2. जोड़ा हो। 3. रात की रोटी की भावना भावे।
52 26 मई 2006	नवकारसी सेंधवा	श्री प्रेमचन्द सुराणा	1. सफेद वस्त्र हो। 2. मुंहपत्ति हो। 3. चश्मा लगा हो। 4. नमक की भावना भावे।
53 29 मई 2006	नवकारसी सेंधवा	श्री प्रेमचन्द सुराणा	1. सफेद वस्त्र वाला मुंहपत्ति बांधकर द्वार पर खड़ा हो। पधारो कहकर 2. पहले दूध की भावना भावे।
54 1 जून 2006	नवकारसी सेंधवा	श्री मिश्रीमल ओस्तवाल श्री बी.एल. जैन	1. सफेद वस्त्र हो। 2. मुंहपत्ति हो। 3. प्रथम दूध की भावना भावे।

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
55 4 जून 2006	नवकारसी सेंधवा	श्री शिवराज सुराणा	याद नहीं
56 7 जून 2006	नौ बजे अंजड़	श्री कमलचंद लोढ़ा	1. किचन में सभी को मुंहपत्ति। 2. उसमें एक बालक-बालिका हो। 3. राख की भावना भावे।
57 10 जून 2006	नवकारसी निसरपुर	श्री समीरमल चिप्पड़	1. जोड़ा हो। 2. मुंहपत्ति हो। 3. घी की भावना भावे।
58 13 जून 2006	नवकारसी कुक्षी	श्री सुशील तांतेड़	1. सभी को मुंहपत्ति हों। 2. घर के सभी जन उपस्थित हो। 3. कपड़े की भावना भावे।
59 16 जून 2006	नवकारसी जोबट	श्री मांगीलाल डूंगरवाल	1. मुंहपत्ति हो। 2. सफेद वस्त्र हो। 3. चश्मा हो। 4. दही की भावना भावें।
60 19 जून 2006	– जोबट	श्री राजमलजी चत्तर	हाथ में शक्कर का डिब्बा लेकर भावना भावे।
61 22 जून 2006	– राणापुर	श्री आनन्दीलाल नागोरी	हाथ में लड्डू लेकर भावना भावे।
62 25 जून 2006	– झाबुआ	श्री अभय रुनवाल	1. मुंहपत्ति हो। 2. आचार्य उमेश गुरु का नाम उच्चारण करे। 3. पताशे की भावना भावे।

	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
63 28 जून 2006	– मेघनगर	मेघनगर	याद नहीं।
64 1 जुलाई 2006	– पेटलावद	श्री कांतिलाल मुरार	मुँहपत्ति वाले के हाथ में कच्चे चावल हो तो।
	2006 चातुर्मास - थांदला (हीरक जयंती वर्ष)		
65 4 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री जितेन्द्र घोड़ावत	चौके में 1 व्यक्ति खड़ा हो, शेष 2 बैठे हों। **(प्रथम स्वतंत्र चातुर्मास थांदला में राजेश मुनिजी का)**
66 7 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री रमेशचन्द्र श्रीश्रीमाल	1. चारों के मुंहपत्ति हो। 2. हाथ में पच्चक्खाण की अंगुठी हो।
67 11 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	सुनिता लोकेश गादिया	1. मुंहपत्ति हो। 2. दरवाजे पे खड़ा हो। 3. पधारो कहे। 4. दोनों हाथ में अलग-अलग वस्तुएँ हों। 5. पति पत्नी का जोड़ा हो। 6. कोई अजैन वहाँ खड़ा हो।
68 14 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री पारस समरथमल शाहजी	ढक्कन में दो पत्थर हो
69 17 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री माणकचंद लोढ़ा	मेरे आने पर कोई रोवे।
70 20 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री प्रकाश रुनवाल	1. मुंहपत्ति हो, 2. पेन हो। 3. सफेद वस्त्र हो। 4. कोई दोनों पैर पर बैठकर धना दाल की भावना भावे।

तारीख	समय/गांव	किसके यहाँ	क्या अभिग्रह ?
71 23 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री दिलीप शाहजी	1. डेढ़ रोटी की भावना। 2. मुंहपत्ति वाले के हाथ से ।
72 26 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री नानालाल मंगलेशजी श्रीमार	1. जोड़े को पच्चक्खाण की अंगुठी हो। 2. तपस्या वाले जोड़े हो। 3.जोड़े में 1 बैठा 1 खड़ा हो। 4.जोड़े के हाथ में माला हो। 5. मुंहपत्ति वाला सर्वप्रथम दही की भावना भावे। 6. जोड़े में 1 को चश्मा हो। 7. सफारी वाला कोई हो। 8. सफेद वस्त्र में जोड़ा हो। 9. कोई बनियान पहना हो। 10. कोई बच्चा पारणे का कहे। 11.पारणे का कोई कहे।
दिनांक 23 जुलाई 2006 को उज्जैन से गीतार्थ भगवंत का पोस्टकार्ड प्राप्त हुआ। लिखते हैं – थांदला के अभिग्रह को पढ़कर रोमांच हुआ। उसमें भी फला यह पढ़कर अत्यन्त रोमांच हुआ।			
73 29 जुलाई 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री घेवरमल श्रीश्रीमाल टोनू, टोनिका	कोई कहे म.सा. तेला कर लो।
74 1 अगस्त 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री रमेशजी श्रीश्रीमाल	कोई कंवारे मुंहपत्ति बांधकर पारणे का कहे।
75 4 अगस्त 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री जवाहरलाल श्री श्रीमार	1. 3 पीढ़ी हो। 2.हाथ में माला हो। 3. मुंहपत्ति हो। 4. दूध की भावना। 5. उमेश गुरु का नाम कहे।
76 7 अगस्त 2006	**नवकारसी थांदला**	श्री प्रमोद पावेचा	1. 21 व्यक्ति को मुंहपत्ति हो। 2.भाई-बहन भावना भावे। 3.माँ-बेटा कहे। 4.णमोत्थुणं की मुद्रा में कोई हो। 5.मुझे मांगलिक सुनाने को कहे। 6.मुझे नवकार सुनावे । 7. जोड़े से शक्कर की भावना।